

॥नाम पत्रावली आम वयुडाम कम्प अर्टे अंगियावास मे
पेश हुई। सुविधि सं. 2 एवं उपस्थित।

प्रतिवादी ने बताया कि वादी की मृत्यु हुए
एक वर्ष हो चुका है। उस हेतु सरपंच अंगियावास

में मजमे आम में पूछने से भी यह सिद्ध होला

कि वादी की मृत्यु हो चुकी है। पत्रावली अ

व्यवस्था पर अंशलोकन किया गया। चूंकि आम



लोक अदालत में पूर्ण समय में भी शेरिस जारी हुए थे परंतु कोई उपाधित नहीं। आज भी केवल प्रिवी से प्रोचस्थित। वादी स्वयं अनुपाधित। एवं न्याय में यह स्पष्ट प्रवृत्ति है कि शत व्यक्ति वाद रही चला सकत व इसके अग्रिम गुणम से शून्य के 90 दिवस के भीतर रिजर्डी कर लौने हेतु प्रवृत्त पत्र की अर्जवाही की जाती है परंतु ऐसी अर्जवाही आज रिजंड तक रही की गई है। अतः पत्रावली - अपूर्ण अर्जवाही वादी पक्ष द्वारा वाद चलाया आवश्यक न माने के कारण खारिज की जाती है।

पत्रावली के शाल शुभार लोकर
गण्डर से डम लोकर वाशिल पधरहे।
निर्णय आज के समय डेर्ट अंगिथावास में सुनाया गया।

